टिप्पणी

11

224hi11

तलपट तथा लेखांकन अशुद्धियाँ

रोजनामचे तथा उसके उप विभाजन में लेनदेनों का लेखा करने के बारे में आप पढ़ चुके हैं। खाता बही के विभिन्न खातों में उनकी खतौनी के बारे में भी आप पढ़ चुके हैं। लेखा करने तथा खतौनी करने की यह प्रक्रिया पूरे वर्ष जारी रहती है। वर्ष के अन्त में, अन्तिम खाते बनाने से पूर्व, लेखा पुस्तकों की गणितीय शुद्धता की जाँच करना आवश्यक हो जाता है। इस उद्देश्य हेतु हम एक विवरण तैयार करते हैं, जिसे तलपट कहते हैं। इस इकाई में आप तलपट बनाना सीखेंगे तथा यह भी जानेंगे कि खातों की शुद्धता की जाँच हेतु इस पर किस सीमा तक विश्वास किया जा सकता है। आप यह भी जानेंगे कि तलपट से किस प्रकार की अशुद्धियाँ प्रकट हो जाती हैं तथा कौन सी अशुद्धियाँ प्रकट नहीं हो पातीं और उन अशुद्धियों को खोजने का तरीका क्या है?

उद्देश्य

इस अध्याय को पढ़ने के बाद आप :

- तलपट को परिभाषित कर सकेंगे;
- तलपट बनाने के उद्देश्यों का विवेचन कर सकेंगे;
- तलपट न मिलने के कारणों का वर्णन कर सकेंगे;
- तलपट द्वारा प्रकट होने वाली तथा प्रकट न होने वाली अशुद्धियों के प्रकारों की पहचान सकेंगे;
- तलपट की सीमाओं का वर्णन कर सकेंगे;
- तलपट तैयार कर सकेंगे और
- उचीन खाते का अर्थ तथा उसके निस्तारण का वर्णन कर सकेंगे।

11.1 तलपट का अर्थ

व्यवसाय में प्रतिदिन अनेक लेनदेन होते हैं। ये सर्वप्रथम प्रारंभिक प्रविष्टि की पुस्तकों अर्थात् रोजनामचा अथवा उसके किसी उप-विभाजन में लेखित किए जाते हैं। फिर खाता बही के संबंधित खातों में इनकी खतौनी की जाती है। खाता बही के प्रत्येक खाते का शेष नियमित अंतराल पर ज्ञात किया जाता है ताकि उनमें खताए गए विभिन्न लेनदेनों के शुद्ध प्रभाव का पता लगाया जा सके। इस प्रक्रिया में कुछ खाते बन्द हो सकते हैं। व्यवसाय के लाभ अथवा

तलपट

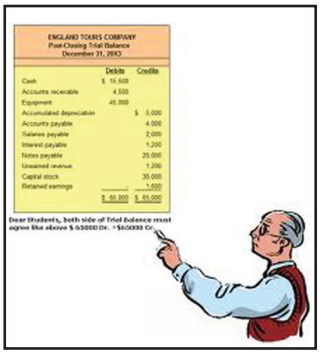

टिप्पणी

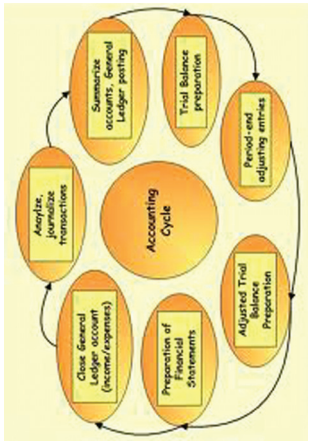

लेखांकन चक्र

हानि तथा वित्तीय स्थिति जानने के लिए अंतिम खाते तैयार किए जाते हैं। प्राप्त किए गए परिणामों की गुणवत्ता तथा विश्वसनीयता मुख्य रूप से विभिन्न लेखा पुस्तकों में की गई प्रविष्टियों तथा खाता बही में उनकी खतौनी पर निर्भर करती हैं। अत: यह आवश्यक हो जाता है कि अंतिम खाते बनाने से पूर्व इन प्रविष्टियों तथा खाता बही में उनकी खतौनी की शुद्धता की जाँच कर ली जाए। इस उद्देश्य हेतु हम एक विवरण तैयार करते हैं जिसे तलपट कहा जाता है, जो खाता बही के सभी खातों के शेष दर्शाता है। नाम शेष वाले सभी खातों के शेष नाम स्तंभ में दर्शाए जाते हैं तथा जमा शेष वाले सभी खातों के शेष जमा स्तंभ में दर्शाए जाते हैं। आप जानते है कि नाम स्तंभ का योग, जमा स्तंभ के योग के समान होता है, क्योंकि प्रत्येक नाम के साथ उससे संबंधित जमा अवश्य होता है। इसी प्रकार प्रत्येक जमा के साथ उससे संबंधित नाम भी अवश्य होता है। जब ये दोनों योग एक समान मिल जाते हैं तो इसे खातों की गणितीय शुद्धता का प्रारंभिक प्रमाण मान लिया जाता है। यह आश्वस्त करता है कि रोजनामचा प्रविष्टियाँ तथा खाता बही में खतौनी बिल्कुल ठीक हैं तथा नाम एवं जमा के बीच समानता है। यदि ये दोनों योग एक समान न हों तो यह इस बात का सूचक है कि लेखा पुस्तकों में कुछ अशुद्धियाँ हैं।

अत: तलपट को ऐसे विवरण के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें एक विशिष्ट तिथि पर सभी खातों के नाम एवं जमा शेषों को अलग-अलग स्तंभों में सूची के रूप में दर्शाया जाता है। यह संकेत देता है कि लेखा पुस्तकें 'दोहरा लेखा प्रणाली' के नियमों के अनुसार तैयार की गई हैं तथा यह लेखांकन प्रविष्टियों की गणितीय शुद्धता को भी काफी सीमा तक सुनिश्चित करता है। तलपट, विभिन्न पुस्तकों जैसे रोजनामचा तथा खाता बही, में वित्तीय लेनदेनों के अभिलेखन की गणितीय शुद्धता हेतु एक जाँच उपलब्ध कराता है। अत: हम कह सकते हैं कि वित्तीय लेनदेनों की गणितीय शुद्धता की जांच के लिए बनाए गए विवरण को तलपट कहते हैं। तलपट एक विवरण है जो खाता बही के सभी खातों के नाम एवं जमा योगों अथवा शेषों को लेकर एक विशिष्ट तिथि को तैयार किया जाता है।

11.2 तलपट बनाने के उद्देश्य

i) **गणितीय शुद्धता की जाँच :** लेखाकार अथवा उसके सहायक द्वारा की गई गणितीय अशुद्धियों को हम तलपट की सहायता से पहचान सकते हैं, क्योंकि ऐसी स्थिति में तलपट नहीं मिलेगा। ऐसी स्थिति में, यह माना जाएगा कि कुछ अशुद्धियाँ हो गई हैं। उन अशुद्धियों को पहचानने के बाद उनका शोधन किया जाता है।

ii) **उपक्रम के अंतिम खातों को बनाना :** वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए तलपट आधार बन जाता है। क्योंकि यह नाम अथवा जमा शेष दर्शाने वाले सभी खातों की सूची उपलब्ध कराता है।

iii) **प्रत्येक खाते का तुलनात्मक अध्ययन :** किसी खाते के वर्तमान शेष की, उसके पिछली अवधि के शेष से तुलना करने में तलपट से सहायता मिलती है। तलपट बनाकर, हम अनुमान लगा सकते हैं कि दो लेखांकन अवधियों के बीच खातों के अंतिम शेष में वृद्धि अथवा कमी होगी। यह ये जानने के लिए एक तकनीक के रूप

में प्रयोग किया जा सकता है कि बढ़े हुए लाभ की स्थिति दर्शाने हेतु ह्रास की दर में कमी करने की आवश्यकता है अथवा नहीं।

iv) **वित्तीय बजट बनाने हेतु :** पिछले वर्षों के तलपट की राशियाँ भविष्य की राशियों का अनुमान लगाने में सहायक हैं। दूसरे शब्दों में, तलपट की सहायता से हम विभिन्न वित्तीय बजट बना सकते हैं।

पाठगत प्रश्न 11.1

नीचे कुछ कथन दिए गए हैं। इनमें से कुछ कथन ठीक हैं तथा कुछ कथन गलत हैं। सही कथन के लिए 'सही' तथा गलत कथन के लिए 'गलत' लिखिए।

i. तलपट, लेखांकन प्रक्रिया का अनिवार्य अंग है।

ii. तलपट वर्ष में केवल एक बार बनाया जाता है।

iii. यदि तलपट के दोनों स्तंभों का योग समान हो तो इसका अर्थ है–खतौनी बिल्कुल ठीक है।

iv. तलपट के नाम स्तंभ में नाम शेष तथा जमा स्तंभ में जमा शेष लिखे जाते हैं।

v. संपत्तियों एवं व्ययों के खाते, जमा शेष दर्शाते हैं।

11.3 तलपट के न मिलने के कारण

जैसा कि पहले ही बता चुके हैं कि जब तलपट के शेष नहीं मिलते तो इसका अभिप्राय है कि खातों को तैयार करते समय कुछ अशुद्धियाँ रह गई हैं। आइए, अब उन अशुद्धियों का विश्लेषण करें, जो तलपट को प्रभावित करती हैं तथा उसके न मिलने का कारण बनती हैं।

i) **एक खाते में खतौनी करना भूल जाना :** आप जानते हैं कि प्रत्येक लेनदेन के दोनों नाम तथा जमा पक्षों की खतौनी खाताबही में करनी आवश्यक होती है। यदि आपने एक खाते के नाम पक्ष में खतौनी कर दी लेकिन दूसरे सम्बन्धित खाते के जमा पक्ष में करना भूल गए तो तलपट शेष पर इसका प्रभाव अवश्य ही होगा। उदाहरण के लिए ₹ 200 की राशि अली से प्राप्त हुई, इसको रोकड़ बही के नाम पक्ष में तो बिल्कुल सही लिख दिया परन्तु अली के खाते के जमा पक्ष में खतौनी नहीं किया, क्योंकि इस अशुद्धि से तलपट के नाम पक्ष का योग उसके जमा पक्ष के योग से अधिक होगा और तलपट नहीं मिलेगा।

ii) **एक खाते में दोहरी खतौनी :** यदि गलती से खाते के नाम पक्ष में या जमा पक्ष में दो बार प्रविष्टि हो जाए तो परिणाम स्वरूप नाम या जमा अधिक हो जाएगा और यह कारण भी तलपट को नहीं मिलने देगा। उदाहरण के लिए अशोक से ₹ 4,000 मिले थे। उसके खाते में दो बार जमा हो गए तो उसका जमा पक्ष का योग ₹ 4,000 से बढ़ जाएगा और तलपट नहीं मिलेगा।

iii) **खाते के गलत पक्ष में खतौनी होना :** जब एक प्रविष्टि की खतौनी खाते के गलत पक्ष में कर दी जाती है। जैसे : नाम पक्ष की बजाय जमा पक्ष में, ऐसी स्थिति में,

दुगुनी राशि का अन्तर आएगा। उदाहरण के लिए, खान से ₹ 300 प्राप्त हुए, जिसे रोकड़ पुस्तक के नाम पक्ष में बिल्कुल सही लिख दिया, लेकिन खान के खाते में खतौनी करते समय उसके खाते के जमा पक्ष की बजाय गलती से उसके नाम पक्ष में कर दिया गया। इससे अभिप्राय ₹ 600 नाम (₹ 300 रोकड़ खाते में और ₹ 300 खान के खाते में) में लिखे गए तथा कोई भी जमा नहीं हुआ। परिणाम यह हुआ तलपट के जमा कॉलम का कुल ₹ 600 कम हो जाएगा।

iv) **एक खाते में गलत राशि लिखना :** यदि आपने खाते के सही पक्ष में प्रविष्टि की लेकिन राशि लिखने में गलती हो गई तो यह भी तलपट को प्रभावित करेगा। माना, ऊपर के उदाहरण में आपने खान के खाते के जमा पक्ष में सही प्रविष्टि की लेकिन सही राशि ₹ 300 के स्थान पर गलत राशि ₹ 200 लिख दी। इससे तलपट में जमा स्तंभ में ₹ 100 कम हो जाएँगे।

v) **सहायक पुस्तकों का योग गलत करना :** यदि किसी सहायक पुस्तक का योग कम या अधिक कर दिया गया है तो यह खाता बही में सम्बन्धित खातों को प्रभावित करेगी। जैसे विक्रय बही का सही योग ₹ 5,600 है। परन्तु इसका योग ₹ 5,300 कर दिया गया है। अब जब विक्रय खाते के जमा पक्ष में इसकी खतौनी की जाएगी तो विक्रय खाता ₹ 300 से कम हो जाएगा और तलपट नहीं मिल पाएगा।

vi) **सहायक पुस्तक के योग की खतौनी भूलना :** यदि सहायक पुस्तक के योग की खतौनी उससे सम्बन्धित खाते में नहीं की जाएगी, तो यह भी तलपट के शेष को प्रभावित करेगा। ऐसी गलती उस खाते से सम्बन्धित होती है जहाँ खतौनी की जानी चाहिए थी तथा केवल एक ही खाते को प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए, यदि विक्रय पुस्तक का योग ₹ 18,900 है और विक्रय खाते के जमा में उसकी खतौनी नहीं हुई तो तलपट का जमा पक्ष ₹ 18,900 कम हो जाएगा।

vii) **किसी खाते का गलत योग या शेष निकालना :** जब एक खाते का गलत योग या गलत शेष निकाला गया है तो यह भी तलपट को प्रभावित करेगा। माना श्याम के खाते के नाम पक्ष के योग को ₹ 1,100 के स्थान पर ₹ 1,300 लिख दिया गया। श्याम के खाते में यह गलत शेष ले जाएगा और तलपट के शेष में नाम योग ₹ 200 से अधिक हो जाएगा। उसी तरह, यदि योग सही हो गया लेकिन खाते के शेष निकालने में गलती हो गई, तो यह तलपट में अंतर आने का कारण होगा।

viii) **तलपट में किसी खाते को भूलना :** आप जानते ही हैं कि सभी खाते, जो कोई शेष दर्शाते हैं, को तलपट में सम्मिलित किया जाना चाहिए। यदि आप तलपट में किसी खाते का शेष लिखना भूल जाते हैं तो भी तलपट मिल नहीं पाएगा। सामान्यतः रोकड़ पुस्तक का शेष तलपट में लिखने से रह जाता है।

ix) **तलपट के गलत कॉलम में खाते का शेष लिखना :** यदि किसी खाते के शेष को जिसे तलपट के नाम कॉलम में दिखाना था उसे वास्तव में जमा कॉलम में दर्शाया गया है तो तलपट का शेष नहीं मिलेगा। यह दुगुनी राशि से प्रभावित करेगा।

x) **तलपट का गलत योग :** यदि तलपट के स्वयं के योग में कोई त्रुटि हो जाए, तब भी तलपट नहीं मिलेगा।

अत: आपने विभिन्न अशुद्धियों, जिनके कारण तलपट में अन्तर हो सकता है, के बारे में जाना। ध्यान दीजिए कि ये सभी अशुद्धियाँ केवल एक पक्ष (नाम या जमा) को प्रभावित करती है। यह नाम-जमा की समानता को बिगाड़ता है तथा ये तलपट के शेष को मिलने नहीं देता।

11.4 तलपट द्वारा प्रकट न होने वाली अशुद्धियाँ

तलपट का मिलान खातों के सही होने का प्रमाण नहीं होता है। कुछ ऐसी अशुद्धियाँ भी हो सकती हैं, जो कि खातों मे आ जाती हैं। लेकिन तलपट के मिलान पर पूर्ण रूप से कोई प्रभाव नहीं डालतीं। ऐसी अशुद्धियाँ नीचे वर्णित की गई हैं।

i) **छूट जाने वाली अशुद्धियाँ :** यदि किसी लेनदेन को लेखे की पुस्तकों में लिखना भूल गए तो ऐसी भूल का प्रभाव तलपट पर नहीं होगा। उदाहरण के लिए रवि से ₹ 6,000 का माल उधार खरीदा और उसे क्रय पुस्तक में लिखना भूल गए। क्योंकि इस भूल का क्रय पुस्तक और रवि के खाते पर कोई प्रभाव नहीं होगा इसलिए तलपट पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ii) **लेख अशुद्धियाँ :** इस प्रकार की अशुद्धियाँ लेखापाल की लापरवाही के कारण होती हैं। तलपट तैयार करते हुए ये दिखाई नहीं देती। माना ₹ 10,000 की बिक्री को पुस्तकों में ₹ 100 लिखा गया। दोनों खातों के शेष, (बिक्री खाते का और रोकड़ खाते का) केवल ₹ 100 से प्रभावित होगा और इस प्रकार तलपट के शेष पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

iii) **क्षतिपूरक अशुद्धियाँ :** माना लेखापाल ने ₹ 500 क्रय खाते के नाम पक्ष में कम लिखे और उसी समय बिक्री खाते के जमा पक्ष में भी ₹ 500 कम लिखे। इस प्रकार एक अशुद्धि का प्रभाव दूसरी अशुद्धि पूरा कर देती है ओर तलपट पर इसका कोई इसका प्रभाव नहीं होगा।

iv) **सैद्धांतिक अशुद्धियाँ :** जब किसी लेनदेन का लेखा करते समय किसी लेखांकन सिद्धांत का उल्लंघन किया जाता है तो इससे उत्पन्न अशुद्धि को सैद्धांतिक अशुद्धि कहते हैं। जैसे : एक सम्पत्ति की खरीद को क्रय खाते में लिखना सैद्धान्तिक अशुद्धि होगी, क्योंकि इस अशुद्धि से क्रय खाते का नाम पक्ष और आपूर्तिकर्ता खाता का जमा पक्ष एक समान राशि से प्रभावित होगा। इस अशुद्धि का तलपट पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

11.5 तलपट द्वारा प्रकट होने वाली अशुद्धियाँ

यदि तलपट नहीं मिलता तो यह माना जाता है कि कुछ अशुद्धियाँ रह गई हैं, जिससे तलपट के मिलान पर प्रभाव पड़ा है। लेखापाल उन अशुद्धियों को ज्ञात करने का प्रयास करेगा। उसी समय ऐसी अशुद्धियों का सुधार होगा। तलपट द्वारा प्रकट होने वाली अशुद्धियों का वर्णन नीचे किया गया है।

i) **गलत योग करना :** यदि रोकड़ बही या किसी अन्य सहायक बही का योग गलत लिखा जाए तो तलपट का मिलान नहीं होगा। उदाहरण के लिए क्रय बही का योग ₹ 2,000 अधिक लगाया गया। जब इस योग को क्रय खाते के नाम पक्ष में लिखेंगे, तो यह ₹ 2,000 नाम में आधिक्य दर्शाएगा और तलपट का योग नहीं मिलेगा।

ii) **खाते के गलत पक्ष में खतौनी करना :** यदि खतौनी करते समय खाते के नाम पक्ष की बजाए जमा पक्ष में खतौनी कर दी जाती है अथवा जमा पक्ष के बजाए नाम पक्ष में खतौनी कर दी जाती है तो तलपट का योग नहीं मिलेगा। उदाहरण के लिए सोहन से ₹ 2,000 का माल खरीदा। यदि सोहन के खाते के जमा पक्ष की बजाय उसके नाम पक्ष में खतौनी कर दी जाए तो तलपट का नाम पक्ष, जमा पक्ष से ₹ 4,000 अधिक हो जाएगा।

iii) **गलत राशि की खतौनी :** यदि खतौनी करते समय गलत राशि लिखी जाती है, तो तलपट का मिलान नहीं होगा। उदाहरण के लिए अनिल से ₹ 600 का माल क्रय किया। यदि इसका लेखा क्रय खाते या क्रय बही में सही-सही किया गया, लेकिन अनिल के खाते में खतौनी करते समय उसके जमा पक्ष (सही पक्ष) में ₹ 600 के बदले ₹ 60 की राशि से किया, तब भी तलपट का योग नहीं मिलेगा।

iv) **लेनदेन के एक पक्ष की खतौनी छूट जाना :** उदाहरण के लिए यदि श्याम से ₹ 500 प्राप्त हुए और उसे रोकड़ बही में सही से लिख दिया गया लेकिन यदि श्याम के खाते के जमा पक्ष में लिखना भूल गए तब भी तलपट नहीं मिल पाएगा।

v) **दोहरी खतौनी की अशुद्धि :** उदाहरणार्थ यदि ₹ 500 विनोद से प्राप्त हुए। उसे रोकड़ पुस्तक में सही-सही लिख दिया गया लेकिन यदि विनोद के खाते के जमा पक्ष में दो बार खतौनी कर दी तब भी तलपट के योग का मिलान नहीं हो पाएगा।

vi) **खाताबही में खातों के योग और शेष की अशुद्धियाँ :** खाताबही में खातों के नाम पक्ष या जमा पक्ष के योग में या उनके शेष में अशुद्धि हो जाती है। क्योंकि खातों के शेष को तलपट में हस्तांतरित करते हैं, इसलिए तलपट में गलत शेष हस्तांतरित हो जाने का परिणाम भी तलपट के न मिलने का कारण होगा।

पाठगत प्रश्न 11.2

उचित शब्द या शब्दों द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

i. तलपट का मिलान होगा जब उसके _____ समान होंगे।

ii. तलपट का मिलान खाताबही की खतौनी की _____ शुद्धता को सिद्ध करती है।

iii. तलपट में खातों के शेषों के लिए _____ स्तम्भ और एक _____ स्तम्भ होता है।

iv. हस्तस्थ रोकड़ को तलपट के _____ स्तम्भ में लिखा जाता है।

11.6 अशुद्धियाँ खोजने का तरीका

यदि कोई एक अशुद्धि बहियों में आ जाती है तो यह वित्तीय विवरणों द्वारा व्यापार के परिचालनों के परिणाम की शुद्धता को प्रभावित करती है। इसलिए अशुद्धियों को सुधारने के लिए उन्हें अवश्य खोजा जाता है। यद्यपि अशुद्धि खोजने का कार्य आसान नहीं है। अशुद्धियों को खोजना आसान हो जाएगा यदि निम्नलिखित कदम (उपाय) तरीके से उठाए जाएँ।

i. तलपट के योग की जाँच की जाए।

ii. तलपट में लाए गए खाताबही के शेषों की, खाता बही के खातों से तुलना करना।

iii. सहायक बहियों और उनकी खाताबही में खतौनी की जांच करना।

iv. रोजनामचे की समस्त प्रविष्टियों का, खाता बही के विभिन्न खातों में सही से खतौनी की जांच करना।

v. यदि आपको यह पता लगा कि तलपट का योग समान नहीं है। दूसरे शब्दों में नाम योग, जमा योग के समान नहीं है तो यह सूचित करती है कि कुछ अशुद्धियाँ लेखांकन प्रक्रिया के दौरान हुई हैं। ऐसी अशुद्धियों का पता लगाकर उनका सुधार करना पड़ेगा। पहले कदम (उपाय) में अशुद्धि का पता लगाने हेतु। नाम,जमा कॉलम का दोबारा से योग की जाँच की जाती है। यदि तलपट का योग फिर भी नहीं मिलान करता तो बड़े योग से छोटे योग को घटा देते हैं और फिर छोटे कॉलम में से गायब हुई राशि को देखते हैं। यदि आपको गलती मिल जाती है, तो आपने अशुद्धि का पता लगा लिया।

vi. तलपट में अशुद्धि को खोजने की अन्य मानक तकनीके हैं। यदि नाम और जमा समान नहीं है तो अन्तर की राशि का 2 से भाग कीजिए। यदि यह हो जाता है तो, अधिक योग वाला कॉलम सही नहीं है। क्योंकि वह अन्तर के आधे के समान है, यदि आपको यह मिला तो आपने अशुद्धि का पता लगाया।

vii. एक और तकनीक हम इस्तेमाल कर सकते हैं। अन्तर की राशि को 9 से भाग देकर भी देखना चाहिए। यदि जमा और नाम के अन्तर को 9 से भाग दिया जाए और वह भाग हो जाए तो अशुद्धि का पता लगाया जा सकता है। इन अशुद्धियों का पता लगाने के लिए नाम और जमा की प्रविष्टियों की जांच कर लें।

11.7 तलपट को तैयार करना

समस्त वित्तीय लेनदेनों का उनकी सहायक पुस्तकों में लेखा करने के पश्चात् खाता बही में खतौनी करते हैं। खाताबही के खातों का शेष निकाला जाता है। खाताबही के शेषों को तलपट के स्तम्भ (नाम या जमा) में हस्तांतरित किया जाता है और यह जांच की जाती है कि नाम पक्ष जमा पक्ष के समान है। लेखांकन चक्र में अगला चरण तलपट तैयार करना है। तलपट एक खाता नहीं है। यह केवल एक विवरण होता है, जो खाताबही के शेषों की सूची जिसमें रोकड़ और बैंक शेष सम्मिलित होते हैं, को दर्शाता है। यह एक निश्चित तिथि को तैयार

S Firth Trial balance as at 1/1/2001

	debits	credits
Petty cash	25	
Bank overdraft	4130	
Accounts receivable		4500
Land & buildings	30000	
Office equipment	1500	
Accounts payable	3700	
Mortgage	2000	
Drawings	800	
Salaries	8200	
Rent received	250	
Office expenses	1200	
Purchases	52000	
Sales		85000
Stock	3000	
Sales discount		250
Purchases returns	280	
Sales returns		350
Purchases discount	120	
Capital - S Firth		6345

तलपट

किया जाता है। यह एक पृष्ठ पर दो राशि स्तम्भ 'नाम' और 'जमा' शेष के लिए तैयार किया जाता है। नाम शेष वाले खाते नाम राशि स्तम्भ में और जमा शेष वाले खाते जमा राशि स्तम्भ में लिखे जाते हैं। प्रत्येक स्तम्भ का योग समान होना चाहिए। यह वास्तव में पहला पड़ाव है, जो लेखांकन अवधि के अन्त में किया जाता है।

अभ्यास में तलपट, खाताबही में विभिन्न खातों के नाम और जमा शेषों से तैयार किया जाता है और रोकड़ बही का शेष भी लिया जाता है। तलपट का नमूना निम्न है।

तलपट (फर्म का नाम)
तैयार करने की तिथि

खाते का नाम	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)

निम्न उदाहरण की सहायता से यह भली-भांति समझा जा सकता है।

उदाहरण : निम्न लेनदेनों से रोजनामचा तैयार कीजिए, खातों में खतौनी कीजिए तथा शेष ज्ञातकर तलपट तैयार कीजिए :

दिनांक	विवरण	राशि (₹)
2011		
मई 01	कमीशन प्राप्त हुआ	10,000
मई 02	किराया दिया	5,000
मई 05	ब्याज मिला	6,000
मई 07	ब्रोर्केज दिया	2,000

हल

रोजनामचा

दिनांक	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
2012				
मई 01	रोकड़ खाता नाम		10,000	
	प्राप्त कमीशन खाता			10,000
	(कमीशन मिला)			
मई 02	किराया खाता नाम		5,000	
	रोकड़ खाता			5,000
	(किराया दिया)			

मई 05	रोकड़ खाता नाम प्राप्त ब्याज खाता (ब्याज प्राप्त किया)		6,000	6,000
मई 07	ब्रोक्रेज खाता नाम रोकड़ खाता (ब्रोक्रेज का भुगतान किया)		2,000	2,000

नाम **किराया खाता** जमा

दिनांक	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	दिनांक	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2012 मई 02	रोकड़ खाता		5,000	2012 मई 31	शेष आगे ले गए		5,000
			5,000				5,000
जून 01	शेष आगे लाए		5,000				

नाम **कमीशन खाता** जमा

दिनांक	विवरण	रो.पृ. सं	राशि (₹)	दिनांक	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2012 मई 31	शेष आगे ले गए		10,000	2012 मई 01	रोकड़ खाता		10,000
			10,000				10,000
				जून 01	शेष आगे लाए		10,000

नाम **ब्याज प्राप्ति खाता** जमा

दिनांक	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	दिनांक	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2012 मई 31	शेष आगे ले गए		6,000	2012 मई 05	रोकड़ खाता		6,000
			6,000				6,000
				जून 01	शेष आगे लाए		6,000

नाम **ब्रोकेज खाता** जमा

दिनांक	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	दिनांक	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2012 मई 07	रोकड़ खाता		2,000	2012 मई 31	शेष आगे ले गए		2,000
			2,000				2,000
जून 01	शेष आगे लाए		2,000				

नाम — रोकड़ खाता — जमा

दिनांक	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	दिनांक	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2012				2012			
मई 01	कमीशन खाता		10,000	मई 02	किराया खाता		5,000
मई 05	ब्याज प्राप्ति खाता		6,000	मई 07	ब्रोकेज खाता		2,000
				मई 31	शेष आगे ले गए		9,000
			16,000				16,000
जून 01	शेष आगे लाए		9,000				

तलपट
31 मई, 2012 को

खाते का नाम (विवरण)	नाम शेष राशि (₹)	जमा शेष राशि (₹)
किराया खाता	5,000	
ब्रोक्रेज खाता	2,000	
रोकड़ खाता	9,000	
कमीशन खाता		10,000
ब्याज प्राप्ति खाता		6,000
योग	16,000	16,000

11.8 तलपट की सीमायें

i. कुछ ऐसी अशुद्धियाँ होती हैं, जो तलपट द्वारा प्रकट नहीं होती, अत: यह कह सकते हैं कि तलपट का मिलान होना खातों की शुद्धता का अंतिम प्रमाण नहीं है।

ii. तलपट केवल प्रत्येक खाते की संघनित सूचना देता है।

iii. यह एक लेखांकन अवधि में व्यवसाय को कितना लाभ या हानि हुई, की सूचना नहीं देता।

iv. यदि तलपट सही तरह से तैयार नहीं किया जाता है, तो ऐसे तलपट से तैयार अन्तिम खाते भी विश्वसनीय नहीं होंगे।

v. तलपट यह भी विश्वास नहीं दिलाता कि सहायक बहियों में समस्त लेनदेनों का वास्तव में लेखा हुआ है अथवा नहीं।

vi. यह केवल उन्हीं उपक्रमों द्वारा तैयार किया जाता है, जो दोहरा लेखा प्रणाली का इस्तेमाल करते हैं।

पाठगत प्रश्न 11.3

राम की पुस्तकों में कुछ अशुद्धियाँ पाई गईं। उन अशुद्धियों की पहचान करो, जो तलपट पर प्रभाव डालती हैं।

i. श्याम को ₹ 2,500 की बिक्री की और बहियों में लेखा करना भूल गया।
ii. क्रय रोजनामचा का योग ₹ 2,500 से अधिक था।
iii. बिक्री रोजनमचा का योग ₹ 3,000 से कम किया गया।
iv. अनिल को किये गये भुगतान की गलती से सुनील के खाते में खतौनी कर दी गई।
v. बैंक ओवर ड्राफ्ट तलपट के नाम पक्ष में दर्शाया गया।
vi. रोहतास को ₹ 3,000 की बिक्री को, विक्रय रोजनामचे में राम की विक्रय के रूप में में लिखा गया।
vii. मशीन की स्थापना में भुगतान की गई मजदूरी, मजदूरी खाते में नाम कर दी गई।

11.9 उचन्ति खाता

लेखांकन प्रक्रिया के दौरान लेखाकार द्वारा की गई अशुद्धियों के कारण जब तलपट नहीं मिलता और वह अंतिम खाते बनाने का निर्णय लेता है तो दोनों स्तंभों में अंतर की राशि को कम योग वाले स्तंभ में 'उचन्ति खाते' के सामने लिख दिया जाता है। इसके पश्चात् अशुद्धि जो तलपट को प्रभावित करती है, उसे उचन्ति खाते के द्वारा सुधार दिया जाता है। जब इन सभी अशुद्धियों का शोधन हो जायेगा तो तलपट को कृत्रिम रूप से बराबर करने के लिए खोला गया उचन्ति खाता भी अन्ततः बराबर हो जाएगा।

पाठगत प्रश्न 11.4

I. उचित शब्द या शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

i. यदि दैनिक सहायक पुस्तकों के योग में अशुद्धि हो तो तलपट के योगों का _____ होगा।
ii. तलपट का मिलान नहीं होगा यदि अशुद्धि खाताबही से _____ के लाने में हुई है।
iii. तलपट का मिलान खतौनी की शुद्धता का _____ नहीं है।
iv. जब तलपट के दोनों स्तम्भों का योग समान नहीं है, तो अन्तर की राशि को तलपट को मिलान करने के लिए _____ खाते में डाला जाता है।

II. बहुविकल्पीय प्रश्न :

i. निम्न में से कौन सी अशुद्धि तलपट पर प्रभाव नहीं डालेगी
क) खाते का गलत शेष निकालना
ख) गलत खाते के सही पक्ष में राशि लिख देना।
ग) खाते का गलत योग।
घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

ii. निम्न में से तलपट को तैयार करने के लिए कौन सा मुख्य उद्देश्य नहीं है :
क) गणितीय शुद्धता की जाँच करना
ख) अन्तिम खाते बनाना
ग) प्रत्येक खाते के तुलनात्मक अध्ययन के लिए
घ) लेनदेन के प्रमाण हेतु न्यायालय में तलपट प्रस्तुत करने के लिए

iii. निम्न में से कौन सी अशुद्धि तलपट पर प्रभाव डालती है :
क) भवन की मरम्मत को भवन खाते में नाम करना
ख) क्रय रोजनामचा का योग ₹ 10,000 से कम लगाया गया था
ग) नई मशीन पर भाड़े का भुगतान भाड़े खाते में नाम में लिखना
घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

iv. निम्न में से कौन सी अशुद्धि तलपट द्वारा प्रकट होगी :
क) पूरी तरह भूलने की अशुद्धि या छूट जाने वाली अशुद्धि
ख) गलत योग करना
ग) क्षतिपूरक अशुद्धि
घ) सैद्धान्तिक अशुद्धि

v. निम्न में से कौन सी अशुद्धि तलपट द्वारा प्रकट नहीं होगी :
क) छूट जाने वाली अशुद्धि
ख) गलत राशि की खतौनी
ग) एक ही खाते में दोहरी खतौनी
घ) खाते के गलत पक्ष में खतौनी

आपने क्या सीखा

- अन्तिम खाते तैयार करने से पहले तलपट तैयार करना आवश्यक है। यह खातों की गणितीय शुद्धता की जाँच करता है।
- जब तलपट का मिलान नहीं होता, इसका मतलब है, लेखा पुस्तकों में कुछ अशुद्धियाँ हैं। इन अशुद्धियों की खोज के लिए उठाए जाने वाले कदमों की एक श्रृंखला है।
- कुछ अशुद्धियाँ ऐसी होती हैं, जो तलपट पर प्रभाव डालती हैं और कुछ नहीं।
- सैद्धान्तिक अशुद्धियाँ, छूट जाने वाली अशुद्धियाँ, कुछ सहायक बहियों की अशुद्धियाँ और क्षतिपूरक अशुद्धियाँ तलपट के द्वारा प्रकट नहीं होती हैं।
- तलपट की सीमायें हैं : लेखांकन अवधि में होने वाले लाभ या हानि की सूचना तलपट नहीं देता और तलपट केवल प्रत्येक खाते के बारे में संघनित सूचना सारांश रूप में प्रस्तुत करता है।
- **अशुद्धियाँ :**
  → **क्षतिपूरक अशुद्धियाँ :** अशुद्धियों का एक समूह जो अशुद्धि या अशुद्धियों को अशुद्धि द्वारा प्रभावित करता है। उसका परिणाम यह होता है कि तलपट अप्रभावित रहता है।

→ **सैद्धान्तिक अशुद्धियाँ :** लेखांकन के कुछ सिद्धान्तों को गलत रूप से लागू करने या भूलने से उत्पन्न अशुद्धि को सैद्धान्तिक अशुद्धि कहते हैं।

→ **पूर्ण रूप से छूट जाने वाली अशुद्धियाँ :** लेखा करते हुए लेनदेनों में से पूरी तरह कोई भी प्रविष्टि छूट जाए तो परिणामस्वरूप इस तरह से हुई अशुद्धि छूट जाने वाली (भूलने वाली) अशुद्धि कहलती है।

→ **अंशत: छूट जाने वाली अशुद्धियाँ :** जब बहियों में लेखा करते समय कोई लेनदेन अंशत: छूट जाए तो इस तरह की अशुद्धियाँ, अंशत: भूलने की अशुद्धियाँ होती हैं।

→ **लेख अशुद्धियाँ :** लेखापाल के द्वारा लेनदेन की प्रविष्टि करते समय अथवा उसकी खतौनी करते समय की गई अशुद्धि, 'लेख अशुद्धि' कहलाती है।

पाठांत प्रश्न

1. आप यह क्यों मानते हो कि तलपट खातों की गणितीय शुद्धता की जाँच करता है? तलपट द्वारा प्रकट हो जाने वाली अशुद्धियों की सूची बनाइए।
2. यदि तलपट मिलान नही करता है तो इससे अभिप्राय है कि बहियों में कुछ गलतियाँ हैं। अशुद्धियों को खोजने की कार्यविधि बताइए।
3. तलपट की सीमाएँ बताइए।
4. क्या तलपट लेखों की शुद्धता का पक्का प्रमाण है। उन अशुद्धियों का वर्णन करो जो तलपट द्वारा प्रकट नहीं होतीं।
5. उदाहरण सहित उन विभिन्न प्रकार की अशुद्धियों का वर्णन कीजिए, जो लेनदेनों का लेखा करते समय सामान्यतया हो जाती हैं।
6. तलपट से आप क्या समझते हो? तलपट को तैयार करने के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।
7. उचन्ति खाता क्या है? इसे तलपट में दिखाना क्या प्रकट करता है?
8. निम्न शेषों से मैसर्स जय जवान जय किसान इन्टरप्राइजेज का 31 दिसम्बर, 2012 को तलपट तैयार कीजिए :

खाता	राशि (₹)	खाता	राशि (₹)
हस्तस्थ रोकड़	31,000	विक्रय खाता	76,000
बैंक में रोकड़	12,000	प्रारम्भिक रहतिया	10,000
पूंजी खाता	80,000	किराया खाता	2,000
आहरण खाता	28,000	मजदूरी खाता	6,000
देनदार खाता	20,800	अन्तर्वाह ढुलाई खाता	500
लेनदार खाता	17,800	मशीन खाता	1,500
क्रय खाता	62,000		
अन्तिम रहतिया	5,000		

9. निम्नलिखित शेषों से 31 मार्च, 2013 को तलपट तैयार कीजिए।

खाता	राशि (₹)	खाता	राशि (₹)
हस्तस्थ रोकड़	3,200	मजदूरी खाता	3,500
बैंक में रोकड़	12,600	विक्रय खाता	20,000
पूंजी खाता	27,450	किराया खाता	250
फर्नीचर खाता	12,300	बैंक प्रभार खाता	400
भवन खाता	15,000	ह्रास खाता	200

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

11.1 (i) सही (ii) गलत (iii)गलत (iv) सही (v) गलत

11.2 (i) नाम और जमा का योग (ii) गणितीय (iii) नाम, जमा (iv) नाम

11.3 अशुद्धि (ii), (iii) और (v) का तलपट पर प्रभाव होगा

11.4 **I.** (i) मिलान नहीं (ii) शेष (iii) प्रमाण (iv) उचन्ति

II. (i) ख (ii) घ (iii) ख (iv) ख (v) क

पाठांत प्रश्नों के उत्तर

8. तलपट का योग ₹ 1,73,800

9. तलपट का योग ₹ 47,450

आपके लिए क्रियाकलाप

- एक विशेष माह की आय तथा विभिन्न खर्चों के बारे में अपने अभिभावकों से पूछिए, उनकी रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए तथा खाता बही में उन्हें खताइए। खाता बही के खातों को बन्द करके उनके शेष ज्ञात कीजिए तथा एक तलपट बनाइए, जो मिल जाना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तैयार की गई लेखा पुस्तकें अंकगणितीय दृष्टि से ठीक हैं।